बच्चे गाएँ : गाँधी गाथा

राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी

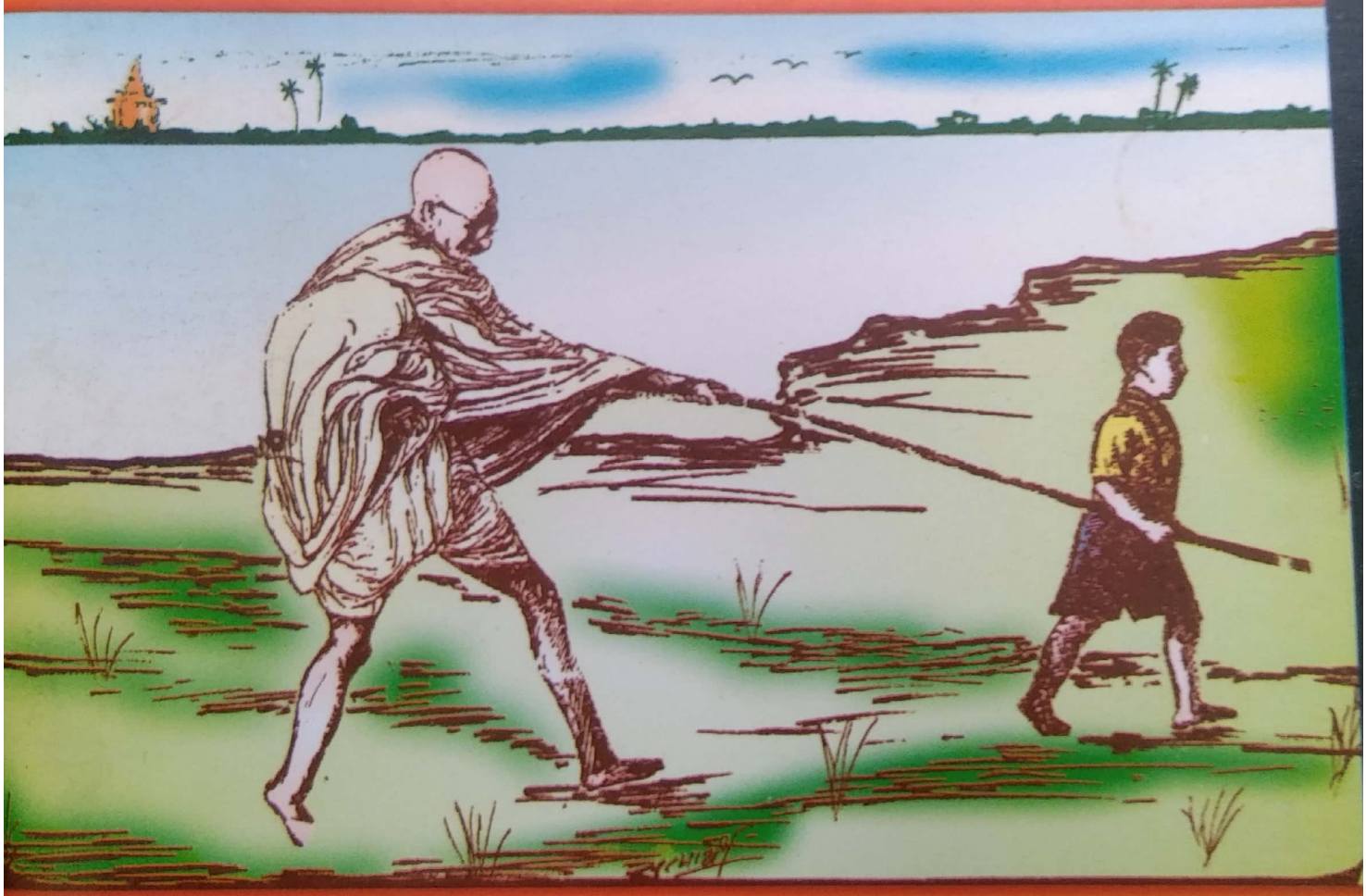

पं. गुणसागर 'सत्यार्थी'

Scanned with OKEN Scanner

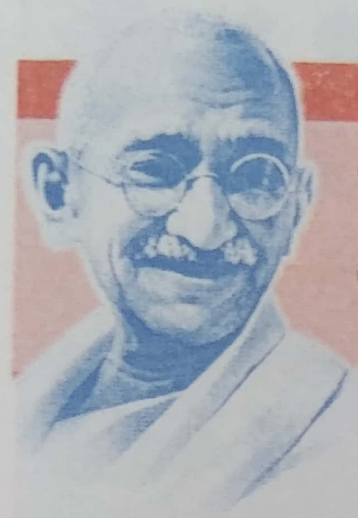

बच्चे गाएँ - गाँधी गाथा

राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी

• काव्याभिव्यक्ति •

गुण सागर 'सत्यार्थी'

• संपादन एवं प्रस्तुति •

सुरेन्द्र नाथ दुबे

प्रथम संस्करण

बैजनाथ प्रकाशन भोपाल/दिल्ली

(Copyright - Baijnath Prakashan)

DELHI : F/24/Sector-8, Jasola Vihar, New Delhi-25
Telphone : 011-269 523 50, Mobile : 0981 8612 417
BHOPAL : H-238, Bag Mugalia, Extn. Bhopal-43

Printed at : Jainan Offset, 78, Zone-IInd, M.P. Nagar, Bhopal-11

मूल्य : 50/-

Scanned with OKEN Scanner

पं. गुणसागर 'सत्यार्थी'

श्रावण शुक्ल एकादशी 1994 (वि.सं.) चिरगाँव (झाँसी) उ.प्र. में जन्म। सृजनधर्मिता पीढ़ी–दर–पीढ़ी की वंश परंपरा में जन्मघूँटी के साथ सहज प्राप्त। पारिवारिक पृष्ठ भूमि राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी के प्रभाव से ओत–प्रोत रही। पितामह स्व. मुंशी अजमेरी जी जिनका वास्तविक नाम श्री प्रेम बिहारी था, वे बापू के वर्धा आश्रम में कुछ दिन रहे थे। बापू उनके प्रशंसक रहे। आगरा में 1929 के सितम्बर मास में वे बापू के साथ रहे व उनको अपनी कविताएँ सुनाईं व बापू को अपने घर चिरगाँव लेकर गये थे। ऐसे वातावरण में सत्यार्थी जी पले–पुसे इसलिये यह स्वभाविक था कि वे गाँधी जी के शिक्षादर्शन से प्रभावित हों। उन्हें अवसर मिला गाँधी शिक्षा दर्शन को व्यावहारिक धरातल पर साकार करने की दिशा में प्रयासरत् कुण्डेश्वर (टीकमगढ़) मध्यप्रदेश की प्रख्यात शिक्षक प्रशिक्षण संस्था में, जो आज ''डाइट'' नाम से जानी जाती है। वहाँ लगातार चार दशक कार्यरत रहकर आपने गाँधी जी के शिक्षा दर्शन के व्यावहारिक पक्ष पर तत्कालीन शिक्षा शास्त्रियों के सानिध्य में गहरे पैठ कर कार्य किया। गाँधी जी की समवायी शिक्षण पद्धति पर आज वे एक प्रवक्ता ही नहीं अपितु व्यावहारिक अनुभव के धनी हैं। उनके पितामह की प्रशंसा में बापू द्वारा उनकी हस्तलिपि में लिखे विचार यहाँ अवलोकनीय हैं :–

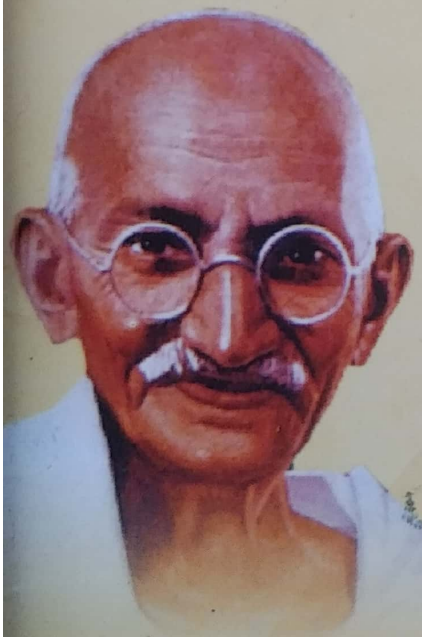

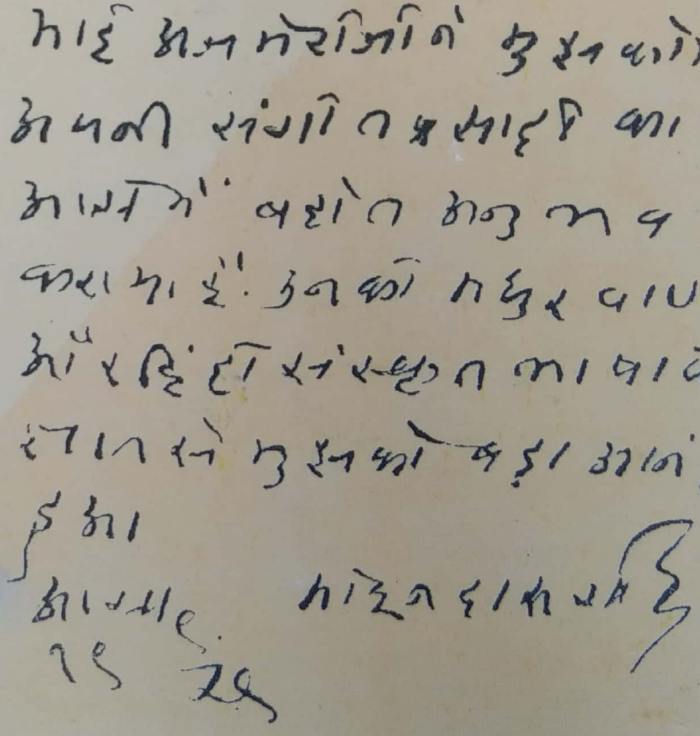

(भाई अजमेरी जी ने मुझको अपनी संगीत प्रसादी का आग्रे में बहोत अनुभव कराया है, उनकी मधुर वाणी से और हिंदी–संस्कृत भाषा के ज्ञान से मुझको बड़ा आनंद हुआ।

आग्रा
19.9.29

हस्ताक्षर – मोहनदास गाँधी

संप्रति : श्री सत्यार्थी जी कुण्डेश्वर, जिला–टीकमगढ़ (म.प्र.) में साहित्य साधना में रत् हैं। – सुरेन्द्रनाथ दुबे

Scanned with OKEN Scanner

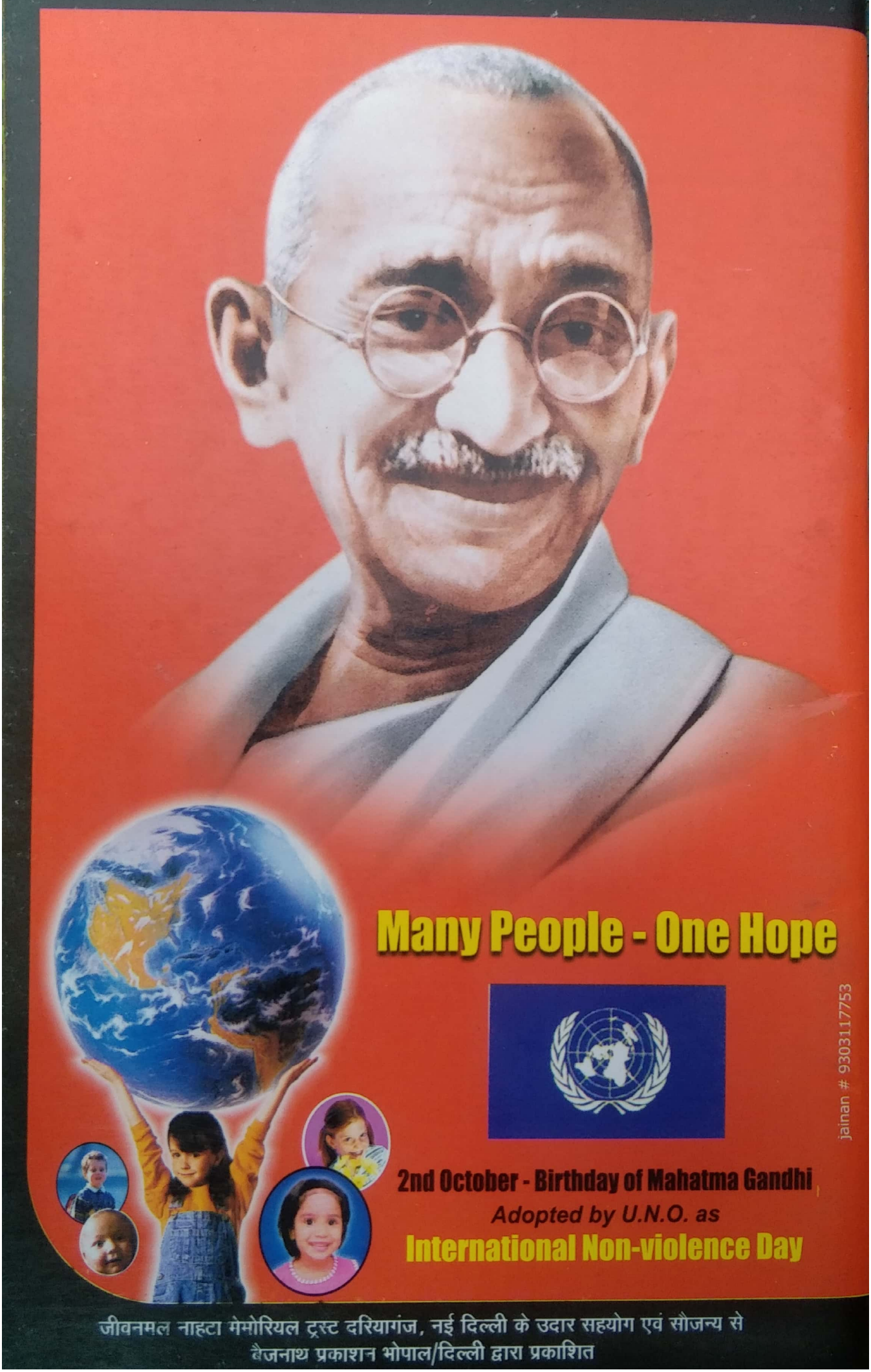

jainan # 9303117753

जीवनमल नाहटा मेमोरियल ट्रस्ट दरियागंज, नई दिल्ली के उदार सहयोग एवं सौजन्य से
बैजनाथ प्रकाशन भोपाल/दिल्ली द्वारा प्रकाशित

Scanned with OKEN Scanner